बी0ए0 द्वितीय वर्ष परीक्षा 2023

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य– विधाएँ

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. **ध्रुव स्वामिनी** : जयशंकर प्रसाद
2. **चेतना का संस्कार** : (सं0) डॉ0 विश्वनाथप्रसाद तिवारी, सदानन्द गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. **प्रतिनिधि एकांकी संकलन** : (सं0) डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल, पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली

इकाई 1 **ध्रुव स्वामिनी** : जयशंकर प्रसाद

इकाई 2 **चेतना का संस्कार** : (**निर्धारित निबंध** – 'होली है' – प्रतापनारायण मिश्र, 'बनाम लार्ड कर्जन' – बालमुकुन्द गुप्त ,'श्रद्धा–भक्ति' – रामचन्द्र शुक्ल, 'अशोक के फूल' – हजारीप्रसाद द्विवेदी ,'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' – विद्यानिवास मिश्र (कुल पाँच)

इकाई 3 **प्रतिनिधि एकांकी संकलन**

इकाई 4 **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित गद्यकार** :
(1) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (2) महावीर प्रसाद द्विवेदी (3) सरदार पूर्ण सिंह

इकाई 5 **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित गद्यकार** :
(1) राहुल सांकृत्यायन (2) रामवृक्ष बेनीपुरी (3) शरद जोशी

<u>प्रश्न एवं अंक – विभाजन</u> :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रष्न (षब्द सीमा 30 शब्द)
10x2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या, इकाई चार, पाँच में निर्धारित गद्यकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणी परक प्रष्न (षब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों/कृतिकारों से पाँच आलोचनात्मक प्रष्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(षब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें :</u>

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
प्रसाद की नाट्यकला : रामकृष्ण शुक्ल 'षिलीमुख'
हिन्दी निबन्ध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा
हिन्दी के प्रमुख निबंधकार रचना और षिल्प : गणेष खरे
हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार
राहुल सांकृत्यायन : सृजन और संघर्ष : उर्मिलेष

बी0ए0 द्वितीय वर्ष परीक्षा 2023

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्र"न–पत्र

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

नोट : यह प्र"न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 : **हिन्दी भाषा**–हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ–संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंष का परिचय, विषेषताएँ। हिन्दी का उद्‌भव और विकास। हिन्दी और उसकी बोलियों का सामान्य परिचय।

इकाई 2 : **हिन्दी भाषा के विविध रूप**–बोलचाल की भाषा, राजभाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्र भाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।
हिन्दी का शब्द भण्डार–तत्सम, तद्‌भव, देषज, आगत शब्दावली। देवनागरी लिपि : उद्‌भव–विकास एवं मानक – रूप ।

इकाई 3 : **हिन्दी साहित्य का इतिहास**–आदिकाल–सीमांकन, नामकरण। परिस्थितियाँ, आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण, प्रमुख काव्यधाराओं का परिचय एवं वैषिष्ट्य, विषिष्ट रचनाकारों का सामान्य परिचय।

इकाई 4 : **भक्तिकाल**– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य धाराओं की प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ। विषिष्ट रचनाकारों का सामान्य परिचय।
रीतिकाल–नामकरण, रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विषेषताएँ। प्रमुख रचनाकार।

इकाई 5 : **आधुनिक काल**–पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की काव्य–प्रवृत्तियाँ एवं विषेषताएँ।
प्रमुख गद्य विधाओं–निबन्ध, नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं आलोचना का उद्‌भव एवं विकास

प्रष्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क)	प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रष्न (षब्द सीमा 30 शब्द)	10x2=20 अंक
खण्ड (ख)	प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणी परक प्रष्न (षब्द सीमा 250 शब्द)	5x7=35 अंक
खण्ड (ग)	प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रष्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (षब्द सीमा 500 शब्द)	3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें –

हिन्दी भाषा का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : गुलाबराय
हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

बी0ए0 अन्तिम वर्ष – 2024
हिन्दी साहित्य

प्रथम प्र"न–पत्र
अर्वाचीन हिन्दी काव्य

नोट : यह प्र"न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक–आधुनिक काव्य–संग्रह : सं0 रामवीरसिंह, विष्वविद्यालय प्रकाषन वाराणसी।

इकाई 1 : **मैथिलीशरण गुप्त** : निर्धारित काव्यांष– कैकेयी अनुताप, उर्मिला, यषोधरा
जयशंकर प्रसाद: निर्धारित काव्यांष – आँसू, हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, ले चल वहाँ भुलावा देकर, अरुण यह मधुमय देष हमारा।

इकाई 2 : **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** : निर्धारित काव्यांष – जूही की कली, संध्या सुंदरी, जागो फिर एक बार, भिक्षुक, विधवा।
सुमित्रानन्दन पंत – निर्धारित काव्यांष – नौका विहार, द्रुत झरो, वाणी, ताज, परिवर्तन।

इकाई 3 : **रामधारी सिंह 'दिनकर'** – निर्धारित काव्यांष – हिमालय, बालिका से वधू, गीत–अगीत, कुन्ती और कर्ण, बुद्धदेव ।
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' – निर्धारित काव्यांष– कलगी बाजरे की, रात होते – प्रात होते, साँप के प्रति, यह दीप अकेला, छब्बीस जनवरी।

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : (1) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (2) महादेवी वर्मा (3) माखनलाल चतुर्वेदी

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : (1) केदारनाथ अग्रवाल (2) हरिवंषराय बच्चन (3) धर्मवीर भारती

प्रश्न एवं अंक–विभाजन :
खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रष्न (षब्द सीमा 30 शब्द)
10x2=20 अंक
खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यांषों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या ।
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणी परक प्रष्न
(षब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्रष्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (षब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें :
आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नगेन्द्र
भारतीय संस्कृति के आख्याताः मैथिलीषरण गुप्त : उमाकान्त गोयल
कवि निराला : नन्ददुलारे वाजपेयी
छायावाद : नामवर सिंह
दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय भावना : षिवकान्त गोस्वामी
अज्ञेय की कविता : चन्द्रकांत वांदिवडेकर
नया हिन्दी काव्य : षिवकुमार मिश्र

बी0ए0 अन्तिम वर्ष – 2024

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्र"न–पत्र

काव्यांग विवेचन एवं हिन्दी गद्य विधाओं का स्वरूप

नोट : यह प्र"न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–भेद।

इकाई 2 रस का स्वरूप, रस के अवयव–स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। रस के भेदों का परिचय।

इकाई 3 **अलंकार** : सामान्य परिचय, निर्धारित अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रान्तिमान, सन्देह, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त, विरोधाभास, असंगति (कुल 12)

छन्द : सामान्य परिचय, निर्धारित छन्द–दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, उपेन्द्रवज्रा, मदिरा सवैया, मत्तगयन्द सवैया, दुर्मिल सवैया, मनहरण, देव घनाक्षरी (कुल 12)

इकाई 4 **काव्य–गुण**

काव्य–दोष : निर्धारित काव्य–दोष–श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, ग्राम्यत्व, अष्लीलत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, न्यूनपदत्व, अधिकपदत्व, पुनरुक्तत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व (कुल 11)

शब्द शक्तियाँ

इकाई 5 **गद्य विधाओं** – नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी का स्वरूप एवं तात्विक विवेचन।

इकाई एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रष्न (षब्द सीमा 30 शब्द)
10x2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणी परक प्रष्न (षब्द सीमा 250 शब्द) 5x7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रष्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (षब्द सीमा 500 शब्द) 3x15= 45 अंक

सहायक पुस्तकें :

सिद्धान्त और अध्ययन : गुलाब राय
काव्य प्रदीप : रामबहोरी शुक्ल
साहित्य रूप : षिवकरण सिंह
काव्य के रूप : गुलाब राय
हिन्दी आलोचना : विष्वनाथ त्रिपाठी
काव्यषास्त्र : भगीरथ मिश्र